भारत सरकार
कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2756
उत्तर देने की तारीख 17 मार्च, 2025
सोमवार, 26 फाल्गुन 1946 (शक)

प्रधानमंत्री कौशल केंद्र

2756. श्री थरानिवेंथन एम. एस.:

क्या कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) प्रधानमंत्री कौशल केंद्र (पीएमकेके) योजना की विशेषताएं क्या हैं तथा तमिलनाडु राज्य में वर्तमान में संचालित पीएमकेके की संख्या कितनी है;

(ख) तमिलनाडु में पीएमकेके के अंतर्गत प्रशिक्षित और प्रमाणित उम्मीदवारों की कुल संख्या कितनी है तथा इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों की पेशकश किन-किन क्षेत्रों में की जा रही है;

(ग) तमिलनाडु में पीएमकेके की स्थापना और संचालन के लिए आबंटित धनराशि कितनी है तथा इस निधि का अब तक कितना उपयोग किया गया है;

(घ) सरकार द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं कि पीएमकेके गुणवत्तापूर्ण कौशल विकास प्रदान करने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे, प्रशिक्षकों और उद्योग-अनुकूल पाठ्यक्रमों से सुसज्जित हों; और

(ङ) तमिलनाडु में पीएमकेके का उक्त प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की रोजगार क्षमता और रोजगार दरों में सुधार पर का क्या प्रभाव पड़ा है?

उत्तर

कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) प्रधानमंत्री कौशल केंद्र (पीएमकेके) को एक अत्याधुनिक मॉडल प्रशिक्षण केंद्र के रूप में स्थापित किया गया है, जो आकांक्षापूर्ण और उच्च गुणवत्ता वाला कौशल प्रशिक्षण प्रदान करता है। ये केंद्र राष्ट्रीय कौशल अर्हता ढांचे (एनएसक्यूएफ) के अनुरूप उद्योग-संचालित प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करते हैं। पीएमकेके को स्मार्ट क्लासरूम, बायोमेट्रिक उपस्थिति

प्रणाली और समर्पित परामर्श और नियोजन सहायता सहित मानक बुनियादी ढांचे को बनाए रखने के लिए डिज़ाइन किया गया है। वर्तमान में, तमिलनाडु राज्य में कुल 23 पीएमकेके प्रचालनरत हैं।

(ख) प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) के तहत तमिलनाडु राज्य में पीएमकेके द्वारा 89,411 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित/उन्मुख किया गया है, जबकि राज्य में 69,105 उम्मीदवारों को प्रमाणित किया गया है। ये प्रशिक्षण परिधान, ऑटोमोटिव, निर्माण, इलेक्ट्रॉनिक्स और हार्डवेयर, ग्रीन जॉब्स, हेल्थकेयर, आईएएससी, आयरन एंड स्टील, आईटी-आईटीईएस, चमड़ा, जीवन विज्ञान, रसद, दूरसंचार और पर्यटन और आतिथ्य जैसे 24 क्षेत्रों में आयोजित किए गए हैं।

(ग) तमिलनाडु में 31 पीएमकेके स्थापित करने के लिए ऋण के रूप में 14.15 करोड़ ₹ की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है।

(घ) पीएमकेके की स्थापना के लिए मौजूदा दिशा-निर्देश कुछ निश्चित मापदंड प्रदान करते हैं जो सुनिश्चित करते हैं कि पीएमकेके आवश्यक बुनियादी ढांचे, आधुनिक प्रशिक्षण प्रयोगशालाओं और उन्नत सुविधाओं से सुसज्जित हैं। इसके अतिरिक्त, पीएमकेके में आवश्यक बुनियादी ढांचे का पालन सुनिश्चित करने के लिए अनिवार्य मान्यता और संबद्धता (ए एंड ए) भी लागू है। प्रशिक्षकों की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए, प्रत्येक प्रशिक्षक को अनिवार्य प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी) कार्यक्रम से गुजरना पड़ता है। पाठ्यक्रम को उभरते कौशल और क्षेत्र-विशिष्ट आवश्यकताओं को कवर करते हुए बाजार की मांगों को संरेखित करने के लिए उद्योग विशेषज्ञों के सहयोग से तैयार और अद्यतन किया जाता है।

(ङ) पीएमकेवीवाई योजना के तहत, योजना के पहले तीन संस्करणों में अल्पावधि प्रशिक्षण (एसटीटी) घटक में नियोजन को ट्रैक किया गया था, जो कि पीएमकेवीवाई 1.0, पीएमकेवीवाई 2.0 और पीएमकेवीवाई 3.0 है, जिन्हें वित्त-वर्ष 2015-16 से वित्त वर्ष 2021-22 तक लागू किया गया। तमिलनाडु राज्य में पीएमकेके द्वारा पीएमकेवीवाई 2.0 के तहत प्रशिक्षित एसटीटी प्रमाणित उम्मीदवारों की नियोजन दर 56% थी। तथापि, कोविड 19 महामारी के कारण अर्थव्यवस्था में व्यापक व्यवधान के कारण पीएमकेवीवाई 3.0 के तहत यह घटकर 47% हो गई।

पीएमकेवीवाई 4.0 के तहत, हमारे प्रशिक्षित उम्मीदवारों को अपने विविध कैरियर पथ चुनने के लिए सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है और उन्हें इसके लिए उपयुक्त रूप से उन्मुख किया गया है।

*****